Fixation of price for Metronidazole

2493. SHRI H. HANUMANTHAPPA :
SHRI RAJNI RANJAN SAHU :
SHRI ANANT RAM JAISWAL :

Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that price fixed for Metronidazole by altering BICP recommendations is exhorbitant;

(b) if so, what was the recommendation and what price was fixed;

(c) when did the validity of the BICP, recommended price expire and whether any fresh study was conducted, if so, where and the price recommended;

(d) whether it is also fact the producer was deliberately allowed to charge much more than the price which was due to him; and

(e) what steps have been taken to enquire into the whole matter ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) to (e) No, Sir. The BICP had conducted ost-cum-technical study in November, 1990 in respect of bulk drugs Metronidazole and Metronidazole Benzoate and had recommended a price of Rs. 436/kg and Rs. 457/kg respectively. The prices of bulk drugs Metronidazole and Metronidazole Banzoate were fixed as Rs. 428/kg and Rs. 380/kg respectively. The validity period of the cost-cum-technical study conducted by BICP expired on 31st March, 1993 and the BICP has already initiated fresh cost-cum-technical study of these bulk drugs.

उर्वरकों की भारी कमी के कारण

2494. श्री नागमणि : क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में उर्वरकों की कमी के क्या कारण हैं ;

(ख) देश में उर्वरकों के मूल्यों की तुलना में अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसके मूल्य क्या हैं ;

(ग) क्या आगामी वर्ष के लिए देश में विभिन्न प्रकार के उर्वरकों की आवश्यकता का पता लगाया गया है, और

(घ) आयात-शुल्क घटाकर कम से कम मूल्य पर उर्वरकों का अंतरराष्ट्रीय बाजार से आयात करके इसकी मांग को पूरा करने हेतु सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फलेरियो) : (क) यूरिया की उपलब्धता, जो कि मूल्य और संचलन नियंत्रण के अन्तर्गत है, कुल मिलाकर संतोषजनक है। मांग की पद्धति में परिवर्तनों, वर्तमान रबी मौसम के लिए कम अथपोष भण्डार, कुछ एककों में उत्पादन में कटौती और संचलन बाधाओं के कारण से कुछ राज्यों में यूरिया की अस्थायी और स्थानीकृत कमी हुई है। मुख्य अनियंत्रित उर्वरकों अर्थात डाई-अमोनियम फासफेट और मूरीऐट आफ पोटाश (एम ओ पी) की कोई कमी नहीं है।

(ख) 1-4-94 से 31-10-94 की अवधि के दौरान पहुंचे आयातित यूरिया का भारित औसत सी एण्ड एफ मूल्य लगभग 4668 रु. प्रति टन बैठता है जबकि 31-3-94 को धारित औसत प्रतिधारण मूल्य 4888 रु. प्रति टन था। डी ए पी और एम ओ पी, जो कि अनियंत्रित और असरणीबद्ध कर दिये गये हैं, के सम्बन्ध में मूल्य सूचना सरकार द्वारा नहीं रखी जाती है।

(ग) जी, नहीं।

(घ) देश में सामान्यतः आयात किये जाने वाले उर्वरकों पर कोई आयात शुल्क नहीं है।

औषध नियंत्रण विभाग में रिक्त पद

2495. श्री सत्य प्रकाश मालवीय :
श्री अनन्तराम जायसवाल :

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि औषध नियंत्रण विभाग में गत कई वर्षों से अनेक वरिष्ठ तथा महत्वपूर्ण पद रिक्त पड़े हैं जिसके

परिणामस्वरूप विभाग का कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है :

(ख) यदि हां, तो उन रिक्त पदों की संख्या, श्रेणी तथा नाम क्या-क्या हैं, वे पद कब से रिक्त पड़े हैं और इस अवधि में विभाग के कार्यकरण पर इसका क्या प्रभाव पड़ा है। और

(ग) औषध नियंत्रण विभाग में वरिष्ठ तथा महत्वपूर्ण रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्तियां करने तथा विभाग के कार्य की प्रगति के लिए सरकार द्वारा कौन-कौन से तात्कालिक कदम उठाए जा रहे हैं ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एड्आडों फलेरियो) : (क) से (ग) औषध नियंत्रक (भारत) ने सूचित किया है कि पिछले लगभग 2 वर्ष से औषध नियंत्रक के कार्यालय में संयुक्त औषध नियंत्रक का एक पद औषध-उप-नियंत्रक के 6 पद, सहायक औषध नियंत्रक के 9 पद फार्माकोलाजिस्ट का एक पद रिक्त पड़ा हुआ है। इस तथ्य के कारण ये पद एक वर्ष से अधिक समय से खाली पड़े हुए हैं, उन्हें अस्थीगत रखा गया है और इस समय भरे नहीं जा सकते हैं। इन पदों को पुनरूजीवित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भोपाल गैस त्रासदी अनुसंधान केन्द्र

2496. **श्री अजीत जोगी** : क्या रसायन एवं उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भोपाल गैस त्रासदी अनुसंधान केंद्र में श्रेणीवार कितने कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं और उनकी नियुक्ति में क्या प्रक्रिय अपनाई जाती है ;

(ख) इस अनुसंधान केंद्र द्वारा किए गए कार्यों का स्वरूप क्या है ; और

(ग) इन कर्मचारियों की वर्तमान निबंधन और शर्तें क्या हैं ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एड्आडों फलेरियो) : (क) भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार भोपाल गैस दुर्घटना अनुसंधान केंद्र (बी जी डी आरसी) में कर्मचारियों की संख्या, श्रेणी-वार, नीचे दी जाती है :—

1. अनुसंधान अधिकारी	2
2. उपसहायक अनुसंधान अधिकारी	2
3. अनुभाग अधिकारी	1
4. डाटा एंट्री आपरेटर	3
5. वरिष्ठ आशुलिपिक	1
6. कनिष्ठ आशुलिपिक	1
7. चपरासी	4
8 डाटा सार्टर	2
9. टाइपिस्ट	1
10. चौकीदार	1
11. ड्राइवर	1
12. अंशकालिक सफाई कर्मचारी	1
13. अंशकालिक माली	1

कर्मचारियों की नियुक्ति बी जी डी आर सी के परियोजना निदेशक द्वारा की जाती है।

(ख) भोपाल गैस दुर्घटना अनुसंधान केन्द्र की स्थापना विभिन्न परियोजनाओं का समन्वय करने तथा गतिविधियों को मानीटर करने के लिए और विषैली गैस के रिसाव के फलस्वरूप भोपाल में शुरू की गई परियोजना के अन्वेषकों तथा अनुसंधान स्टाफ को दिन-प्रतिदिन मार्गदर्शन देने के लिए की गई थी। बी जी डी आर सी ने रिपोर्ट लिखने के लिए आंकड़ा विश्लेषण तथा सहायता के लिए सुविधाएं दी थीं।

(ग) इस परियोजना के कर्मचारियों की सेवा शर्तें वही हैं जो परिषद् की तदर्थ परियोजनाओं के अस्थाई कर्मचारियों पर लागू होती हैं।

Failure of Projects to Meet Production Targets

2497. SHRI JOYANTA ROY : Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that fertilizers projects have failed to achieved the production as per their target; and

(b) if so, the names of such units and the reasons therefor ?